संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-242 बुधवार,03 जुलाई 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?

- पत्रकारिता लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का दर्जा क्या खो चुकी ?
- क्या अब स्वतंत्र लेखन की पत्रकारिता में मनाही ?
- स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,भारत सरकार...
- स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
- स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
- गृहमंत्री जी भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही...

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2024(घटती-घटना)।तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान का दूसरा दिवस...?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

- क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
- क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?
- देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?
- क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?
- क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

दैनिक घटती घटना
Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com
खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

- क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
- क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?
- देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?
- क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?
- क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

कलम बंद...
कलम बंद...

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

संपादकीय

क्या सरकार के लिए लोकतंत्र का चौथा स्तंभ को कुचलना ही बेहतर...जिसके शुरुआत हो गई?

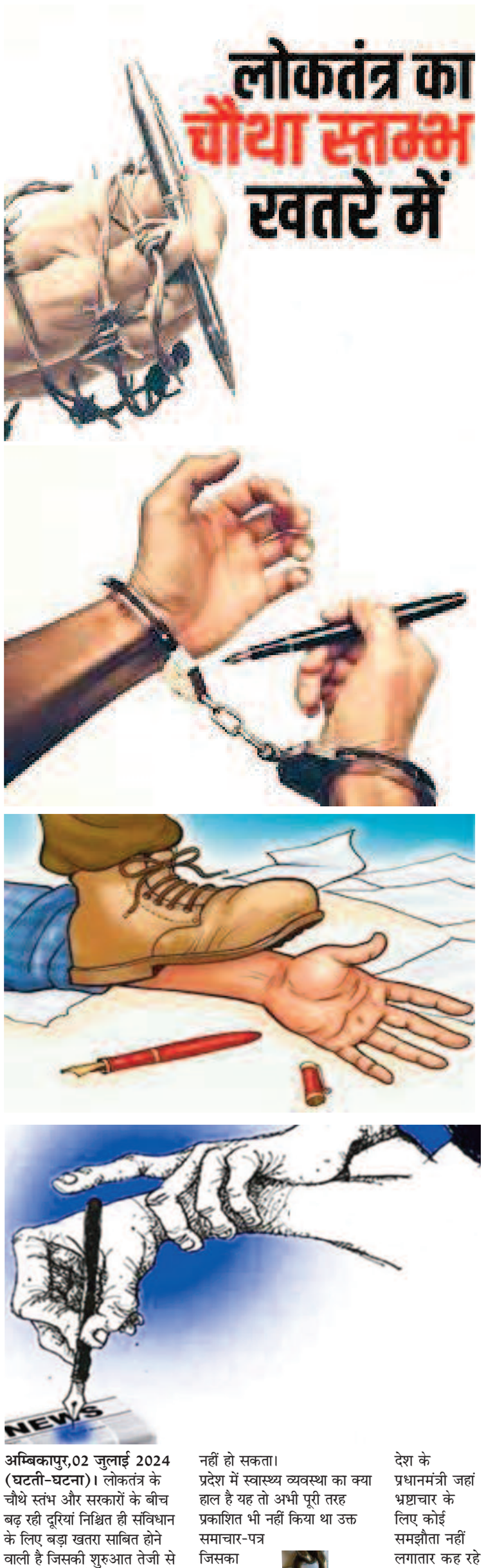

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन **घटती घटना** | लेख एवं विचार अभिव्यक्ति | अम्बिकापुर, मंगलवार 02 जुलाई 2024 | 2

संपादकीय

क्या समाचार अब पूछकर किया जायेगा प्रकाशित...क्या अब अभिव्यक्ति की आजादी पर भी छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री लगाएंगे रोक?

क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ,क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

आखिर क्यों वर्ष 2022 में जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन ने डॉक्टर प्रिंस जायसवाल के जिला चिकित्सालय में अनावश्यक प्रवेश पर लगाया था प्रतिबंध?

क्या कोरिया जिले का स्वास्थ्य विभाग भ्रष्टाचार में इतिहास रचने जा रहा है?

प्रभारी डीपीएम स्वास्थ्य विभाग जिला कोरिया पर क्यों मेहरबान है भाजपा सरकार?

- क्या स्वास्थ्य मंत्री की वजह से प्रदेश में पत्रकारिता अब निष्पक्ष नहीं रह जायेगी...क्या स्वास्थ्य मंत्री खबरों के लिए सेंसर जैसी संस्था बैठायेगें?
- क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी?

आपके पड़ोसी जिले के स्वास्थ्य महकमें में जारी है आपसी रंजिश स्वास्थ्य मंत्री जी

संविदा डीपीएम की कार्यशैली भी चर्चा का विषय,पूरा स्वास्थ्य विभाग है परेशान

खुद को स्वास्थ्य मंत्री का रिश्तेदार बतलाकर महकमे को दबाने की कोशिश

सेवा भावना की मिसाल पेश कर रहे बैकुंठपुर के एक डॉक्टर को उच्च न्यायालय से मिली फटकार

अम्बिकापुर,रविवार 24 सितम्बर 2023 | 5

निजी हॉस्पिटल संचालक भाजपा नेता डॉक्टर के भवन में किराए से संचालित है निजी नर्सिंग कॉलेज

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2024 (घटती-घटना)।छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार क्या अब आईना दिखाती खबरों पर प्रतिबंध लगा चुकी है,क्या सरकार और व्यवस्था शासकीय तंत्र की कमियां और भ्रष्टाचार को लेकर प्रकाशित खबर पर सरकार रोक लगा चुकी है ऐसी खबरें अब प्रकाशन योग्य नहीं मानी जाएंगी यह प्रश्न तब उठने लगा है? जब एक समाचार-पत्र के शासकीय विज्ञापन पर प्रदेश जन संपर्क अधिकारी ने रोक लगा दी है। प्रदेश जन संपर्क कार्यालय के अनुसार विज्ञापन पर प्रतिबंध स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर आयुक्त सह संचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव के कहने पर लगाया गया है। जिस समाचार-पत्र पर यह प्रतिबंध लगाया गया है वह दैनिक घटती घटना है और जो लगातार स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्टाचार को उजागर करने का काम कर रहा था और जो लगातार स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे और संविदा डीपीएम की मनमानी स्वास्थ्य मंत्री के विशेष सलाहकार ओएसडी को लेकर भी समाचार का प्रकाशन कर रहा था जिसमे यह बताया जा रहा था की कैसे ओएसडी स्वास्थ्य मंत्री के फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर शासकीय सेवक बने हुए हैं कैसे स्वास्थ्य मंत्री के तथाकथित भतीजे कांग्रेस शासनकाल में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरने के बाद भी भाजपा सरकार में पुनः डीपीएम बनकर नए जिले के मनमानी कर रहे हैं जबकि पूर्व कर्तव्यस्थ जिले में उन्होंने जो भ्रष्टाचार कांग्रेस शासनकाल में किया है उसकी जांच लंबित है जिसको लेकर कई शिकायतें भी की गई हैं। प्रदेश में सुशासन स्थापना के साथ नई भाजपा सरकार का गठन हुआ है ऐसा स्वयं पुनः सरकार बनने पर भाजपा का ही दावा था लेकिन जिस तरह समाचार पत्र के द्वारा भ्रष्टाचार को उजागर करने पर समाचार पत्र को ही प्रभावित करने उसका प्रकाशन रोकने उसका विज्ञापन शासकीय रोका गया, जिससे समाचार पत्र दबाव में आ जाए गलत का भ्रष्टाचार का प्रकाशन रोक दे यह कहना गलत नहीं होगा की कुल मिलाकर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को ही यह दबाने और उसे निष्क्रीय करने का एक प्रयास है। दैनिक घटती-घटना सरगुजा अंचल से प्रकाशित होने वाला एक ऐसा समाचार पत्र है जो अपनी निष्पक्षता और अपनी बेबाक साथ ही भ्रष्टाचार के विरुद्ध लेखनी के लिए पहचान रखता है। कई बार इस समाचार पत्र समूह के लोगों पर पूर्ववर्ती सरकार में भी प्रहार कानूनी करने के प्रयास किए गए जो तब भी इस उद्देश्य से हुए की वह समाचार पत्र की कलम को रोक सकें और समाचार-पत्र को अपने अनुसार खबर लिखने पर मजबूर कर सकें लेकिन तब भी न तो समाचार पत्र झुका न ही उसके साथ काम कर रहे लोग ही झुके,जबकि प्रयास तो ऐसे ऐसे किए गए जैसे की समाचार पत्र में लेखनी की जगह उससे जुड़े लोग कोई राष्ट्रद्रोह जैसा अपराध कर रहे हों जबकि वह केवल भ्रष्टाचार को ही उजागर करने का काम करते चले आ रहे थे। खैर जैसे तैसे सभी कठिनाइयों को पार करते हुए दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र समूह लगातार अपने अभियान में जुटा हुआ था और अभी भी जुटा हुआ है लेकिन अब वर्तमान सरकार उसे रोकने नया हथकंडा लेकर समाने आई है जिसमे वह अब समाचार-पत्र का विज्ञापन ही रोकने फरमान जारी कर चुकी है जिसका मौखिक निर्देश जारी कर दिया है सरकार की तरफ से। वैसे दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र समूह विज्ञापन रोकने की घटना से ज्यादा कोई प्रभाव अपने ऊपर महसूस नहीं कर रहा है वह यह मानकर चल रहा है की यह क्षणिक एक प्रहार है जिसे सहकर आगे बढ़ना है और उसी तरह भ्रष्टाचार के विरुद्ध लिखना है जैसा पहले से अभियान जारी है। वैसे छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है और केंद्र में भी भाजपा गंठबंधन की सरकार है और प्रधानमंत्री भाजपा के हैं गृहमंत्री भाजपा के हैं जो भ्रष्टाचार को लेकर लगातार आक्रामक हैं और जिनका साफ तौर पर कहना है की भ्रष्टाचार किसी भी हाल में बर्दास्त नहीं किया जायेगा और जिसके तहत कई बड़े नेता जेल में हैं। अब जेल में जो नेता हैं वह गैर भाजपाई हैं और इनमें कई मुख्यमंत्री भी हैं वहीं उनकी छत्तीसगढ़ में सरकार है और उनके मंत्री पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं ऐसे में क्या वह प्रदेश में भी ऐसा कोई निर्णय लेंगे जिसके तहत वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपने ही दल के नेताओं पर कार्यवाही करेंगे। अब यही देखने वाली बात है की प्रधानमंत्री और गृहमंत्री देश के क्या छत्तीसगढ़ के भ्रष्टाचार के मामले वैसा ही निर्णय लेते हैं जैस गैर भाजपा शासित राज्यों के लिए उनका होता है या यहां वह भी राज्य सरकार और स्वास्थ्य मंत्री के साथ उस निर्देश में सहभागी नजर आते हैं जिसमे भ्रष्टाचार के विरुद्ध लिखना मतलब शासकीय विज्ञापन से ही हांथ धोना वहीं एक तरह से अपराध करना माना जा रहा है। वैसे अब विज्ञापन रुके या फिर कोई अपराधिक प्रकरण दर्ज कर ही भ्रष्टाचार संबंधित खबरें रोकने की कोशिश की जाए हर हाल में दैनिक घटती- घटना अपना काम जो भ्रष्टाचार के विरुद्ध लेखनी का है वह जारी रखने वाला है और वह किसी हाल में पीछे नहीं हटने वाला। भ्रष्टाचार को लेकर न पुरवर्ती सरकार के कार्यकाल में भयभीत हुआ था दैनिक घटती-घटना पत्र समूह न आगे ही होगा।

क्या सरकार की कमियों को दिखाना होगा प्र्रतिबंध?

- समाचार-पत्र पर दबाव बनाने क्या शासकीय विज्ञापन पर लगाई गई रोक?
- प्रदेश जनसंपर्क अधिकारी ने किसके कहने पर शासकीय विज्ञापन पर लगाई रोक?
- क्या शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाने से अखबार में सरकार की कमियों की खबर नही छपेगी?
- क्या शासकीय विज्ञापन पाने के लिए अखबार को करना होगा झूठी महिमा का गान?

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2024 (घटती-घटना)।छत्तीसगढ़ की नई भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर प्रकाशित की जा रही खबरों पर बेहतर संज्ञान लिया है और अब सरकार का अंदरूनी गोपनीय निर्णय लागू भी हो गया है जिसके अंतर्गत अब भ्रष्टाचार आधारित खबरों के प्रकाशन पर समाचार पत्रों का दाना-पानी बंद कर दिया जायेगा जो की शासकीय विज्ञापन स्वरूप किसी समाचार-पत्र को प्राप्त होता है। केवल महिमा मंडन वाली खबरों पर ही सरकार का रुख समाचार-पत्रों के प्रति सकारात्मक होगा यह भी सरकार की तरफ से लगभग तय कर दिया गया है और उसका सबसे पहला पालन भी कर दिया गया है जिसके अंतर्गत निष्पक्ष होकर समाचार का प्रकाशन करना भ्रष्टाचार के संदर्भ में समाचार का प्रकाशन करना दैनिक घटती-घटना के लिए दंडनीय अपराध की तरह माना गया है सरकार की तरफ से और अब इसकी सजा बतौर दैनिक घटती घटना समाचार-पत्र का शासकीय विज्ञापन बंद कर दिया गया है और जिसका पालन भी किया जाना शुरू हो गया है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर आयुक्त सह संचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव के द्वारा मौखिक आदेश जारी कर दिया गया है जिसके तहत अब दैनिक घटती-घटना को विज्ञापन शासकीय प्राप्त नहीं होंगे वह भी तब तक जब तक स्वास्थ्य विभाग और स्वास्थ्य मंत्री के पक्ष में सकारात्मक समाचार का प्रकाशन दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र नहीं करना आरंभ करता। लोकतांत्रिक देश में ऐसे प्रधानमंत्री के रहते हुए जो भ्रष्टाचार के खिलाफ हों और लगातार जिनके निशाने पर भ्रष्टाचारी हों उनके ही दल की प्रदेश सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करना यदि किसी समाचार-पत्र समूह के लिए दंडनीय अपराध साबित किया जायेगा तो फिर यह तय माना जायेगा की या तो देश में वहीं भ्रष्टाचार की खबरें स्वीकार होंगी जहां भाजपा की सरकार राज्य में नहीं है वहीं जहां जहां भाजपा या भाजपा गठबंधन की सरकार है वहां वहां भ्रष्टाचार की खबरें सिरे से खारिज की जाएंगी।

बता दें की दैनिक घटती-घटना समाचार पत्र छत्तीसगढ़ प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्टाचार को उजागर करने में अपनी भूमिका निर्वहन कर रहा था और वह लगातार समाचार का प्रकाशन कर स्वास्थ्य विभाग में जारी शासकीय राशि के बंदरबांट को समाने ला रहा था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कोरिया जिले के पूर्व डीपीएम सहित सीएमएचओ की तरफ से किए गए मनमानी और भ्रष्टाचार को लेकर खबरों का एक लगातार क्रम जारी था जिसमे प्रदेश के वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री तब नाराज हो गए जब उनकी मंशा के विपरीत खबर का प्रकाशन नहीं रोका गया। बता दें की कांग्रेस सरकार के दौरान स्वास्थ्य विभाग में हुए भ्रष्टाचार को लेकर भी खबरों का प्रकाशन जारी था और उस दौरान के भ्रष्टाचार को लेकर सतत् एक क्रम समाचार का जारी था जिसके अंतर्गत भ्रष्ट लोगों की करनी भी समाने लाई जा रही थी लगातार। स्वास्थ्य मंत्री के यहां संलग्न विशेष सलाहकार साथ ही विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के भी विषय में भी खबर प्रकाशित किए गए जिसमे एक अधिकारी के फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र पर भी सवाल उठाए गए जिसको लेकर साक्ष्य भी उपलब्ध होने की बात समाचार में बताई गई।

घटती घटना | लेख एवं विचार अभिव्यक्ति | अम्बिकापुर, सोमवार 01 जुलाई 2024 | 2

सरकार किसी भी पार्टी की हो विधायक मंत्री कोई भी रहे पर कमियां लिखना या प्रकाशित करना लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के लिए बड़ी चुनौती रहेगी

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ और सरकारों के बीच बढ़ रही दूरियां निश्चित ही संविधान के लिए बड़ा खतरा साबित होने वाली है जिसकी शुरुआत तेजी से हो चुकी है। ऐसे में दुविधा इस बात की भी हो गई है कि क्या लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को सरकार की कमियां दिखाने का अधिकार नहीं रहा? आज सरकारें लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को लेकर इतनी असहिष्णु हो चुकी हैं कि वह उसे कुचलने को भी तैयार हैं जिसका ताजा उदाहरण छत्तीसगढ़ में देखने को मिल रहा है जहां स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्टाचार को उजागर करने के कारण एक समाचार-पत्र का शासकीय विज्ञापन ही रोक दिया गया है और ऐसा स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर किया जाना बताया जा रहा है और यह भी मानना गलत नहीं होगा कि इसकी जानकारी सरकार के मुखिया को न हो ऐसा नहीं हो सकता।

प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था का क्या हाल है यह तो अभी पूरी तरह प्रकाशित भी नहीं किया था उक्त समाचार-पत्र जिसका शासकीय विज्ञापन रोककर समाचार-पत्र को एक स्वतंत्र आवाज़ को कुचलने और दबाने का प्रयास किया गया है केवल सरगुजा संभाग के कुछ जिले जिनमे कोरिया,एमसीबी और सूरजपुर जिले शामिल हैं के ही मामले प्रमुख रूप से स्वास्थ्य विभाग से जुडे,भ्रष्टाचार से जुड़े समाचार-पत्र ने प्रकाशित किए थे जिसके बाद समाचार-पत्र को एक तरह से बंद करने की सरकार की कवायद जारी हो गई।

देश के प्रधानमंत्री जहां भ्रष्टाचार के लिए कोई समझौता नहीं लगातार कह रहे हैं वहीं छत्तीसगढ़ में उन्ही के दल की सरकार स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप झेल रही है और उस पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है यह भी विचित्र स्थिति है।अब यह कहना भी गलत नहीं होगा की कार्यवाही भ्रष्टाचार के मामले में वहीं होंगे शायद जहां गैर भाजपा दल की सरकार होगी! लोकतंत्र की... संविधान की... रक्षा के लिए पत्रकारिता को उसका चौथा स्तंभ बताया गया था लेकिन अब उस स्तंभ को ही धराशाई किया जा रहा है और ऐसा वे लोग कर रहे हैं जिनके पास इसकी सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी है। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग को लेकर तथ्य आधारित भ्रष्टाचार से संबंधित समाचार सरकार और स्वास्थ्य मंत्री को ऐसे नागवार गुजर रहे हैं की सरकार में निर्णय सीधे स्वास्थ्य मंत्री अपने विभाग के अलावा भी ले रहे हैं और समाचार-पत्र का शासकीय विज्ञापन रुकवा दे रहे हैं।

पहले के समय में ऐसा देखने -सुनने को नहीं मिलता था पहले समाचार पत्रों से सरकारें सीख लेती थीं और खबरों को एक सुधार की अपनी कार्यप्रणाली में आधार मानती थीं...मार्गदर्शक मानती थीं...लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब सत्य आधारित एवं कमियां दिखाते समाचार सरकारों और उसके कर्ता-धर्ता को बिल्कुल पसंद नहीं आ रहे हैं और यह छत्तीसगढ़ में एक समाचार-पत्र के शासकीय विज्ञापन को रोकने के मामले से समझा जा सकता है। वर्तमान में प्रदेश के जो स्वास्थ्य मंत्री हैं वह इसके पहले जब चुनाव हार गए थे और पांच साल जब विपक्ष में थे तब वह समाचार-पत्रों के ही भरोसे खुद की राजनीति जीवित रख सके थे वहीं उन्होंने तब तत्कालीन विधायक को लेकर...उनकी कार्यप्रणाली को लेकर...भ्रष्टाचार की बारात निकाली थी और तब वह खुद को भ्रष्टाचार के खिलाफ साबित करते जरा भी नहीं हिचकिचाते थे आज जब उनके ही विभाग जिसके वह मंत्री हैं को लेकर यह बात सामने आ रही है की वहां भ्रष्टाचार जारी है उनके एक तथाकथित भतीजे ने तो कांग्रेस शासनकाल में भी जमकर भ्रष्टाचार किया और अब स्वास्थ्य मंत्री को चाचा कहकर वह भ्रष्टाचार कर रहे हैं वहीं मंत्री जी के ओएसडी पर फर्जी मेडिकल दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी हथियाने का आरोप है एक अन्य विशेष सलाहकार को लेकर भी कोई साफ-सुथरा संकेत नहीं है फिर भी वह इन विषयों पर मौन हैं और वह इन मामलों में दोषियों के साथ हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो स्वास्थ्य मंत्री जिस तरह कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार की बारात निकाल रहे थे अब विपक्ष उनको लेकर यदि बारात निकाले तो अचरज की बात नहीं होगी... क्योंकि आरोप कम नहीं है उनके विभाग पर!

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

» क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती-घटना | सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, सोमवार 01 जुलाई 2024 | 3

खुला पत्र

कौन सी खबर प्रकाशित करें स्वास्थ्य मंत्री जी ? क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं... आपके विभाग में कितनी कमियां हैं यह शायद आपको दिख नहीं रहा...और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है वह देखना नहीं चाहते...ऐसे में क्या प्रकाशित करें यह आप ही तय करें? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था...पर उसे कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

» क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

कलम बंद...

कलम बंद...

घटती-घटना | अम्बिकापुर, शनिवार 02 मार्च 2024 | 5

विष्णु सरकार के स्वास्थ्य मंत्री ने क्या कांग्रेसी युवा को सौंप दी शासकीय आवास की जिम्मेदारी ?

जिस युवक के सोशल मीडिया पोस्ट में दिखती है संघ और भाजपा के खिलाफ विचारधारा उसी युवक को क्यों सर पर बैठा रखे हैं स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी ?

घटती-घटना | अम्बिकापुर, मंगलवार 05 मार्च 2024 | 6

क्या खुद के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के प्रमाण-पत्रों की जांच करा पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री ?

घटती-घटना | 5

क्या भाजपा कोरबा की लोकसभा प्रत्याशी कोरिया एमसीबी जिले के

घटती-घटना | 5

जिला चिकित्सालय में इंसानों के अस्पताल में विचरण कर रहे मवेशी

क्या यही है प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल ?

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

» क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

» क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर -समाचार | अम्बिकापुर, सोमवार 01 जुलाई 2024 | 5
खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...कमी दिखाओ तो दिक्कत...जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत... आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा, पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं...भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं... क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र !

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?
» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
» क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?
» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?
» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?
» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना | सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, बुधवार 03 जुलाई 2024 | 6

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
» क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?
» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?
» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?
» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

संक्षिप्त खेल समाचार

गुकेश सिंगापुर में देंगे विश्व चैम्पियनशिप मैच में लिरेन को चुनौती

भारत को नहीं मिली मेजबानी

नयी दिल्ली,02 जुलाई 2024। भारत के शतरंज स्टार डी गुकेश और मौजूदा चैम्पियन चीन के डिंग लिरेन के बीच 2024 विश्व चैम्पियनशिप मुकाबले की मेजबानी सिंगापुर करेगा। फिडे ने यह घोषणा की। इसके मायने हैं कि गुकेश दिल्ली या चेन्नई में यह मुकाबला नहीं खेल सकेंगे चूंकि भारत के ये दोनों शहर सिंगापुर से पिछड़ गए। ढाई मिलियन डॉलर (लगभग 21 करोड़ रुपये) पुरस्कार राशि वाला यह मुकाबला 20 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच होगा।

पेरिस डायमंड लीग में नहीं आएंगे नजर नीरज चोपड़ा

नयी दिल्ली,02 जुलाई 2024।26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच खेलों का महाकुंभ ओलंपिक फ्रांस के पेरिस में शुरू होने जा रहा है। लेकिन उससे पहले टोक्यो ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और स्टार भारतीय जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ ने ओलंपिक से पहले होने वाले पेरिस डायमंड लीग से नाम वापस ले लिया है। इसका मतलब ये है कि ये स्टार खिलाड़ी अब डायमंड लीग में खेलते हुए नहीं दिखाई देंगे। वहीं इसके बाद अब उनकी चोट को लेकर फैंस के बीच कई सवाल उठ रहे हैं।

अब अगला टी 20 वर्ल्ड कप 2026 में

» 12 टीमों ने पहले ही कर लिया है क्वॉलीफाई 8 टीमों का आना बाकी है...

नयी दिल्ली,02 जुलाई 2024। भारतीय क्रिकेट टीम ने एक और दफा टी 20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। भारत अब उन टीमों में शुमार हो गया है, जिन्होंने दो बार इस ट्रॉफी को जीता है। भारत ने सबसे पहले साल 2007 में इस खिताब को अपने नाम किया था, इसके बाद करीब 17 साल बाद 2024 में भी टीम इंडिया चैंपियन बनी है। भारत के अलावा वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ही दो बार इस ट्रॉफी को दो बार जीत पाए हैं। इस बीच अब सवाल उठने लगा है कि अगला टी 20 विश्व कप कब होगा। इसकी मेजबानी किसके पास है और वे कौन कौन सी टीमें हैं, जो अगला विश्व कप खेलती हुई नजर आएंगी। तो चलिए इन सभी सवालों के जवाब हम आपको देते हैं।

भारत में होगा टी 20 वर्ल्ड कप 2026

आईसीसी की कोशिश होती है कि हर साल कम से कम एक आईसीसी टूर्नामेंट का आयोजन किया जाए। शेड्यूल भी कुछ इसी तरह से बनाया जाता है। टी 20 विश्व कप हर दो साल बाद होता है। यानी अगला टी 20 विश्व कप 2026 में होगा। बड़ी बात ये है कि साल 2026 में होना वाला टी 20 विश्व कप भारत में होगा। इसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका के पास है। वैसे तो अभी ये टूर्नामेंट दूर है, साथ ही इसका शेड्यूल भी नहीं आया है, लेकिन माना जा रहा है कि टीम इंडिया अपने सारे मैच भारत में ही खेल सकती है। अभी तक जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक साल 2026 में होने वाला टी20 विश्व कप फरवरी मार्च में हो सकता है।

इन टीमों ने किया टी 20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वॉलीफाई

अब अगर बात उन टीमों की करें, जिन्होंने इसके लिए अभी ये क्वालीफाई कर लिया है तो उसमें पहला नाम भारत और श्रीलंका का ही आता है, क्योंकि ये दोनों होस्ट यानी मेजबान देश हैं। इसके अलावा टी 20 विश्व कप 2024 में टॉप 7 टीमों ने भी इसमें एंट्री कर ली है। यानी भारत और श्रीलंका के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, यूएसए और वेस्टइंडीज इसमें शामिल हैं। वहीं आईसीसी की टी20 रैंकिंग के हिसाब से आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की टीम भी इसमें शमिल हैं। इन सभी टीमों की रैंकिंग अच्छी है। कुल मिलाकर 12 टीमें इसमें पहले ही अपनी जगह सुरक्षित कर चुकी हैं। लेकिन अगला टी20 विश्व कप भी 20 टीमों का होगा। बाकी आठ टीमों का फैसला होना अभी बाकी है। ईस्ट एशिया फेसिफिक से एक टीम, अमेरिका क्वालीफायर से एक टीम, एशिया क्वालीफायर से दो टीमें और अफ्रीका से दो और टीमों का आना अभी बाकी है। कुछ वक्त बाद आईसीसी की ओर से क्वालीफायर मैच कराए जाएंगे, जो टीमें जीत दर्ज करेंगी, उन्हें टूर्नामेंट में एंट्री मिल जाएगी।

फिटनेस टेस्ट अब मापदंड नहीं

नयी दिल्ली,02 जुलाई 2024। क्रिकेट खेलते समय सबसे महत्वपूर्ण बात क्या है? शायद क्षमता, प्रदर्शन, प्रतिभा और बस इतना ही। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में भारतीय क्रिकेट बोर्ड की मेडिकल टीम इस पर विश्वास करती है और इसलिए पहले से चयनित (अनुबंधित खिलाड़ियों) के लिए चोट की रोकथाम शुरू कर रही है और यो-यो टेस्ट जैसे फिटनेस टेस्ट पर प्रदर्शन परीक्षण को प्राथमिकता दे रही है। 2019 में वनडे वर्ल्ड कप के दौरान ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टूर्नामेंट के बाद चोट लग गई थी। भारतीय गेंदबाज़ी के उस्ताद जसप्रित बुमरा पीठ की चोट के कारण 2022 टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं, जो पिछ्ले मैच के लिए उपलब्ध होने के दो सप्ताह बाद ही उन्हें लग गई थी।

भारत बनाम जिम्बॉब्वे सीरीज के लिए टीम इंडिया में हुआ बदलाव

» अचानक इन खिलाड़ियों की हुई एंट्री

नयी दिल्ली,02 जुलाई 2024। भारतीय क्रिकेट टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ टी 20 मैचों की इंटरनेशनल सीरीज के लिए हरारे के लिए रवाना हो चुकी है। सीरीज का पहला मैच 6 जुलाई को खेला जाना है। हालांकि इस बीच अचानक एक बड़ी खबर सामने आई है। बीसीसीआई की ओर से टीम के स्क्वाड में बदलाव किया गया है। इंडिया टीवी ने आपको एक दिन पहले ही इस बात की खबर दी थी और संभावना जताई थी कि भारतीय टीम में बदलाव देखने के लिए मिल सकता है। अब बीसीसीआई सचिव ने इस पर मोहर लगा दी है।

पहले दो टी 20 मैचों के लिए भारतीय टीम में बदलाव

भारत और जिम्बाब्वे के बीच पांच मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान पहले ही कर दिया गया था। जिसकी कप्तानी शुभमन गिल को दी गई थी। इस बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 में चैंपियन बनने वाली टीम के भी कुल 5 खिलाड़ी इस सीरीज के लिए चुने गए थे। लेकिन भारतीय टीम बारबाडोस में ही अभी तक फंसी हुई और उसकी वापसी नहीं हो पाई है। इसलिए अचानक से स्क्वाड में बदलाव के लिए मजबूर होना पड़ा है। बीसीसीआई सचिव जय शाह की ओर से बताया गया है कि पहले दो टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों के लिए साई सुदर्शन, जितेश शर्मा और हार्षित राणा को भी टीमें शामिल किया गया है। ये खिलाड़ी संजू सैमसन, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल की जगह लेंगे। बताया जा रहा है कि ये तीनों खिलाड़ी पूरी टीम के साथ पहले भारत आएंगे और इसके बाद हरारे के लिए सीरीज खेलने रवाना हो जाएंगे।

जल्द रवाना होंगे नए चुने गए खिलाड़ी

इस बीच खबर है कि भारतीय टीम सीरीज के लिए रवाना हो गई है। हालांकि जो टीम गई है, उसमें कप्तान शुभमन गिल शामिल नहीं हैं। खबरें इस तरह की आ रही है कि शुभमन गिल अभी यूएस में हैं और वही से सीधे वे टीम के साथ जुड़ जाएंगे। टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी इस बार वीवीएस लक्ष्मण को दी गई है। ऐसा इसलिए किया गया है, क्योंकि राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो गया है और बीसीसीआई ने अभी तक नए हेड कोच के नाम का ऐलान नहीं किया है। इस बीच माना जा रहा है कि जो नए खिलाड़ी इस सीरीज के लिए चुने गए हैं, वे जल्द ही हरारे के लिए रवाना हो जाएंगे, क्योंकि पहला मुकाबला अब बहुत ज्यादा दूर नहीं है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले और दूसरे टी20 मैच के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे, साई सुदर्शन, जितेश शर्मा (विकेट कीपर), हर्षित राणा।

फिर स्वर्ण पदक जीतने के इरादे से पेरिस ओलंपिक में उतरेगा हॉकी टीम इंडिया

नयी दिल्ली,02 जुलाई 2024। पेरिस में 26 जुलाई से ओलंपिक खेलों का आगाज हो जाएगा जो 11 अगस्त तक खेला जाएगा। ऐसे में हम आपको इस आर्टिकल में बताने जा रहे हैं कि भारत ने आजादी के बाद आखिर कब ओलंपिक में अपना पहला मेडल जीता था। आजादी से पहले भी भारत का ओलंपिक खेलों में हॉकी में दबदबा देखने को मिला था जिसमें 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक गेम्स में हॉकी टीम ने गोल्ड मेडल जीता था, लेकिन आजादी के बाद भारत ने साल 1948 में हॉकी में ही अपना पहला मेडल जीतने में कामयाबी हासिल की थी।

इंग्लैंड को ही दी गोल्ड मेडल मैच में मात

साल 1948 में लंदन में ओलंपिक गेम्स खेले गए थे जिसमें भारतीय हॉकी टीम का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला था। आजादी से पहले जो ब्रिटिश टीम भारत के खिलाफ ओलंपिक में खेलने से मना कर देती थी उसे पहली बार टीम इंडिया का सामना करना पड़ा। भारत को इस ओलंपिक गेम्स में पूल-ए में जगह मिली थी जिसमें उसके साथ ऑस्ट्रिया, स्पेन और अर्जेंटीना के साथ था। भारतीय हॉकी टीम ने अपना आगाज बेहतरीन तरीके से करते हुए ऑस्ट्रिया के खिलाफ पहले मुकाबले को 8-0 से अपने नाम किया था। वहीं इसके बाद अर्जेंटीना और स्पेन को मात देते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह को पक्का किया था।

सेमीफाइनल में नीदरलैंड को दी मात और फाइनल जीत गोल्ड मेडल किया हासिल

सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद भारतीय हॉकी टीम का मुकाबला नीदरलैंड की टीम से हुआ था और इसमें भी टीम का विजयी अभियान जारी देखने को मिला जिसके बाद फाइनल में टीम का सामना 12 अगस्त 1948 को वेम्बली स्टेडियम में इंग्लैंड की टीम से हुआ। इसमें भारत ने बलबीर सिंह के 2 गोल और तरलोचन सिंह और पैट्रिक जेनसन ने एक-एक गोल किया और भारत ने इस मैच को 4-0 से अपने नाम करने के साथ ओलंपिक में अपना पहला मेडल ही गोल्ड के रूप में जीता।

आपसे बड़ी मैं गोल्ड डिगर हूं,रिया चक्रवर्ती की बात से सुष्मिता सेन की हुई बोलती बंद

दोनों ने बयां की अपनी सच्चाई

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने नए पॉडकास्ट चैप्टर 2 का अनाउंसमेंट कर दिया है। इस शो की पहली मेहमान एक्ट्रेस सुष्मिता सेन हैं। इस शो का पहला प्रोमो सामने आ चुका है। शो में दोनों अपनी-अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बातें शेयर करती हुई दिख रही हैं। वहीं रिया खुद को सुष्मिता सेन से भी बड़ी गोल्ड डिगर बता रही हैं। इतना ही नहीं दोनों एक दूसरे को गोल्ड डिगर का मतलब भी बता रही हैं। प्रोमो की शुरूआत रिया चक्रवती के सुष्मिता सेन से कहती हैं, इस कमरे में आपसे भी बड़ा गोल्ड डिगर है। इस पर सुष्मिता एक्ट्रेस पूछती हैं, सच में तो रिया कहती हैं, हां जी मैं। आगे प्रोमो में उन्हें यह भी कहते हुए सुना जा सकता है कि नफरत चिल्लाकर कही जाती है, लेकिन प्यार महसूस किया जाता है। इसके अलावा रिया ने सुष्मिता सेन की बेटियों अलीसा और रेनी की अच्छी परवरिश के लिए भी उनकी तारीफ की और कहा कि आपको परवरिश के लिए पाठ्यक्रम बनाना चाहिए। इस पर सुष्मिता कहती हैं, 'मैंने एक इंटरव्यू दिया और जानबूझकर सेक्स शब्द का इस्तेमाल किया। आपकी जिंदगी में एक ऐसा समय आता है जब आप बैकग्राउंड में पेड़ बनकर रह जाते हैं।'

क...क...क...किरण शाहरुख खान को कहां से आया हकलाकर बोलने का आइडिया ?

जूही चावला ने 31 साल बाद किया खुलासा

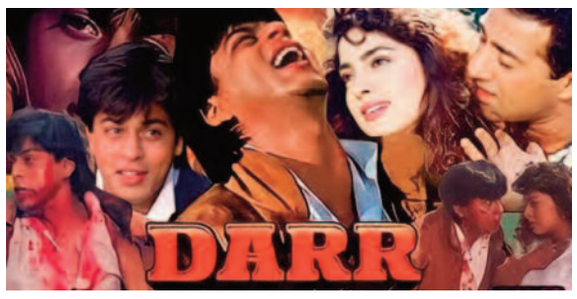

शाहरुख खान बॉलीवुड के बादशाह हैं। छोटे पर्दे (फौजी सीरियल) से एक्टिंग की शुरुआत करने वाले स्टार अब हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर राज करते हैं। उनका हाथ खोलने वाला पोज और क... क... क... किरण डायलॉग आइकॉनिक बन चुका है। क्या आप जानते हैं कि डर फिल्म के इस डायलॉग, जोकि सिर्फ एक शब्द है, उसके पीछे की क्या कहानी है! इसे हकलाकर बोलने का आइडिया उन्हें कहां से आया था, 31 साल बाद अब जूही चावला ने खुलासा किया है।शाहरुख खान की वो फिल्म, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया था, वो साल 1993 में रिलीज हुई थी। डर फिल्म का डायलॉग आई लव यू क क क किरण खूब फेमस हुआ था। ये बॉलीवुड का आइकॉनिक डायलॉग बन गया। गुजरात चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक इवेंट में बात करते हुए जूही चावला ने अब इसके पीछे की कहानी सुनाई है। उन्होंने कहा, मैंने यह नोटिस नहीं किया था, लेकिन शाहरुख हर चीज को ऑब्जर्व करते थे। यश जी थोड़ा हकलाते थे और शाहरुख ने बताया कि उन्होंने वो वहां से पिक किया था। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, जूही ने कहा, शाहरुख ने बोला कि मैं इसे फिल्म में इस्तेमाल करूंगा और वहां से उन्होंने वो शुरू किया (किरण वाला डायलॉग हकलाकर बोलना)। और उसके लिए भगवान का शुक्र है।

शाहरुख पहली बार बने थे विलेन

डर फिल्म के डायरेक्टर यश चोपड़ा थे और ये फिल्म यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी थी। इसमें शाहरुख को जूही से प्यार हो जाता है और वो हर जगह उसका पीछा करते हैं। अपने प्यार को पाने के लिए हिंसा का रास्ता अपनाते हैं। जूही की शादी सनी देओल से होने वाली थी, लेकिन शाहरुख का किरदार आखिरी तक ये रिश्ता तोड़ने की कोशिश करते हैं। इस फिल्म में शाहरुख ने पहली बार एंटी-हीरो का रोल किया था।

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र....ब/121/2022-2023

ईश्तहार

आवेदक/आवेदिका का नाम चमरू राम आ0 नान राम जाति-रजवार निवासी रूनियाडीह ग्राम रूनियाडीह प0हन0 तहसील व सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने माता बसमेत का जन्म/मृत्यु दिनांक 27/10/2008 का जन्म/मृत्यु प्रमाण-पत्र बनाने हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।
इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 05/07/2024 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28/06/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202407020700014

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-
राजस्व सन्:-2023-2024
भगवानपुरकला प.ह.न.00018(हे.)
पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार-मंजू चौबे
अनावेदक पक्षकार-छ.ग.शासन

ईश्तहार

आवेदक मंजू चौबे, पति योगेन्द्र चौबे,निवासी ग्राम भगवानपुरकला, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा ग्राम भगवानपुरकला स्थित भूमि खसरा नंबर 280 रकबा 0.040हे0 भूमि के स्थान पर त्रुटिवश रकबा 0.004हे.अंकित हो गया है,जिसे सुधार कर खसरा नंबर 280 रकबा 0.040 हे. सुधार किए जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05.08.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/07/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार, अम्बिकापुर

न्यायालय नज़ूल अधिकारी,अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र.2024 0602
1200 063/ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रकाश कुमार एक्का आ0रामपाल एक्का निवासी मायापुर कौवाडांड़ तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ.ग. के द्वारा मोहल्ला कौवाडांड़ नगर अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 1526/3, 1527 रकबा क्रमशः 1415.7,435.6 वर्गफीट भूमि से प्रस्तावित नक्शानुसार भू-तल पर रकबा 101.66 वर्गमीटर एवं प्रथम तल पर रकबा 101.66 वर्गमीटर एवं द्वितीय तल पर रकबा 101.66 वर्गमीटर भूमि पर व्यवसायिक एवं आवासीय भवन निर्माण कराने की अनुमति हेतु आवेदन भवन निर्माण अनुज्ञा शाखा में प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24/07/2024 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 28/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नज़ूल अधिकारी, अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202407020700018

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-
राजस्व सन्:-2023-2024
बिशुनपुर प.ह.न.00019(हे.)
पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार-अतुल कुमार लकड़ा
अनावेदक पक्षकार-छ.ग.शासन

ज्ञापन

आवेदक अतुल कुमार लकड़ा, आ0 इलमिलयुस लकड़ा,निवासी ग्राम बिशुनपुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा ग्राम बिशुनपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1/101,1/102, 1/103 कुल रकबा 0.313हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों के ऑनलाईन बी-1 में आवेदक के पिता का नाम त्रुटिवश थामस लकड़ा अंकित हो गया है,जिसे सुधार कर वास्तविक नाम इलमिलयुस लकड़ा अंकित किए जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।
अतःआपको निर्देशित किया जाता है कि उक्त संबंध में जांचकर प्रतिवेदन मय पंचनामा सहित सुनवाई दिनांक 05.08.2024 के पूर्व प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।
यह ज्ञापन मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/07/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार, अम्बिकापुर

ऐसा क्या हुआ कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो फूट-फूटकर रोने लगे

पुर्तगाल,02 जुलाई 2024। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो जर्मनी में यूरो कप 2024 राउंड ऑफ 16 मैच के पुर्तगाल और स्लोवेनिया मैच में पेनल्टी से गोल दागने में चूक गए, जिसके बाद वह काफी दुःखी दिखाई दिए। रोनाल्डो अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए और रोने लगे। उनकी मां, मारिया को भी स्टैंड में रोते हुए देखागया था क्योंकि वह असहाय रूप से अपने सुपरस्टार बेटे की कोई मदद करने में असमर्थ थीं।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना
राजधानी समाचार
अम्बिकापुर, बुधवार 03 जुलाई 2024
8

खुला पत्र

देश का चौथा स्तंभ को बचाए कौन ?

» बचा लो चौथे स्तंभ को अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है...जिम्मेदार लोगों से है अपील...

अम्बिकापुर,02 जुलाई 2024 (घटती-घटना)।. बात बिल्कुल सही है कि मीडिया देश की ज़रुरत है,बिना इसके हम स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं कर सकते हैं,संपादक, मालिक और पत्रकार,सभी एक ढर्रे पर चल रहे हैं,सभी बदलाव की बात करते हैं,मगर कोई बदलना ही नहीं चाहता है,देश का स्वघोषित चौथा स्तंभ डगमगा रहा है,अपने विचारों से,अपने कर्तव्यों से बचा लोज्अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है यह कहना गलत नहीं होगा क्योंकि पहले के तीन स्तंभ भी चौथे स्तंभ के लिए गंभीर नहीं है। उन्हें लगता है कि चौथे स्तंभ की जरूरत ही नहीं है? समाचार-पत्र राजनीतिज्ञों और अन्य सत्ताधारियों का सशक्त उपकरण बन गया है,निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उनका मनमाना प्रयोग करते हैं,सभी अपने अधिकारों की सीमा लांघते हैं मगर क्यों? हमने व हमारे अतीत ने इस बात को सच होते भी देखा है,याद किजिए वो दिन जब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था,तब अंग्रेजी हुकूमत के पांव उखाड़ने के लिए एकमात्र साधन अख़बार ही था,विश्व में अमेरिका और कई पश्चिमी देश ऐसे हैं,जहां पत्रकारिता स्वतंत्र है,भारत में भी प्रेस की अपनी भूमिका निभा रही है,हालांकि अन्य देशों की अपेक्षा हमारे देश में प्रेस के लिए कोई अलग से कानून नहीं हैं,हिन्दुस्तान में एक आम नागरिक को जो अधिकार दिया गया है,वही अधिकार प्रेस को भी दिया गया है,आर्टिकल 19(1) (ए) के अनुसार, हिन्दुस्तान में रहने वाले सभी नागरिकों को अभिव्यक्ति का अधिकार दिया गया है,मीडिया को भी इसी दायरे में रखा गया है,हम आज जिस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं,वो सरकार और मीडिया है,सरकार के बिना मीडिया अधूरी है, और मीडिया के बिना सरकार,देश की समस्याओं को अख़बार या टीवी के माध्यम से मीडिया सरकार तक अपनी बात पहुंचाती है,देखा जाए,तो प्रेस की भूमिका जनप्रतिनिधि की होती है,कई बार ये प्रतिनिधि सीमा को लांघ जाते हैं,नाजी नेताओं ने ठीक ही कहा है कि यदि झूठ को दस या बीस बार बोला जाए,तो वह सच बन जाता है, समाचार पत्रों के संदर्भ में यह कथन सही उतरता है,आज समाचार पत्र राजनीतिज्ञों और अन्य सत्ताधारियों का सशक्त उपकरण बन गया है,वे अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उनका मनमाना प्रयोग करते हैं,सभी अपने अधिकारों की सीमा लांघते हैं मगर क्यों?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

» क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)